Title: Demand to restore peace and release arrested persons in the Faizabad district of Uttar Pradesh.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, 1857 के प्रथम राट्रीय स्वाधीनता संग्राम की वर्गांठ के अवसर पर 10 और 11 मई को फैजाबाद में शहीद मेला प्रस्तावित था। तमाम साफ दिमाग के लोग, जो चाहते हैं कि देश में सौहार्द्र का वातावरण बने, ऐसे लोगों नेâ€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : आप क्या कहना चाहते हैं, यह हमारे क्षेत्र का मामला है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कटियार जी, आप बैठिये।

श्री विनय कटियार : ये वहां दंगा कराएंगे।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब लोग क्यों खड़े हैं?

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मुझे आपका संरक्षण चाहिए। हम जब यहां बोलने के लिए खड़े होते हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिये।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, इनको कहिये कि बैठें, नहीं तो मैं अपनी बात कहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

***Not Recorded.**

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, ये रोज दंगा कराएंगे, ये रोज यह काम कर रहे हैं। छः दिसम्बर, 1992 के पहले से भी, जब माननीय मुलायम सिंह जी मुख्यमंत्री थे, उस समय से वहां गोली चल रही है। ये रोज वहां हत्या करवा रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कटियार जी, यह कौन सा तरीका है, आप क्यों खड़े हैं? यह अच्छी बात नहीं है, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका मतदार क्षेत्र होगा, आप भी यहां प्रश्न उठा सकते हैं। सुमन जी, बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम रोज हत्या करवाते हैं, ये क्या बोल रहे हैं। ये हमें बन्द करके जेल में भेजेंगे? â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : और क्या?

अध्यक्ष महोदय : रामदास आठवले जी, आप कृपया बैठिये।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, 10-11 मई को फैजाबाद में एक शहीद मेला प्रस्तावित था। जिनकी ओर से यह मेला आयोजित किया जा रहा था, उसमें प्रो. कमल मित्र चिनाय, प्रो. अन्तर्राट्रीय अध्ययन संस्थान, जे.एन.यू., कृणावतार पांडेय, पूर्व शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, लाल बिहारी सिंह, महासचिव, इन्कलाबी नौजवान सभा, प्रणय कृण आदि तमाम बुद्धिजीवी और ऐसे लोग, जो चाहते हैं कि देश में सौहार्द्र का वातावरण बने, इस तरह के लोगों ने 10-11 मई को फैजाबाद में शहीद मेले का आयोजन करने का निश्चय किया था।

अध्यक्ष महोदय, महत्वपूर्ण यह है कि डेढ़ महीने पहले इन लोगों ने जिला प्रशासन से इसकी अनुमति ले ली थी। आठ तारीख को महंत रामचन्द्रदास जी का बयान छपा है कि यह जो मेला आयोजित हो रहा है, इस पर प्रतिबंध लगाया जाए। इस कारण वहां पर दफा 144 लगा दी गई। उसके अंतर्गत 1300 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनमें महिलाएं, खेतीहर मजदूर और दलित भी हैं। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शुभेन्द्र सेन को भी उसमें गिरफ्तार कर लिए गए।

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, इस पर एक मिनट मुझे भी बोलने का मौका दें।

श्री रामजी लाल सुमन : इन लोगों ने बड़ी मेहनत के साथ 50 दिन तैयारी करके दो नाटक 'वजूद और दलदल' बनाये थे। उन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया।â€¦ (व्यवधान) ये लोग जो दंगा कराने वाले हैं, ये लोग नहीं चाहते कि देश में सौहार्द का वातावरण बने और शांति कायम हो। वहां इन शांतिप्रिय लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाता है, जबकि वे वहां शांति मार्च करने वाले थे। रेलवे स्टेशन से ही इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। 11 तारीख को जो प्रैस कांफ्रेंस होने वाली थी, उसमें 20 लोगों को और गिरफ्तार किया गया।â€¦ (व्यवधान) यह बड़ा गम्भीर सवाल है।

अध्यक्ष महोदय : देखिए, मैंने आपको इजाजत दी थी।

श्री मुलायम सिंह यादव : केवल एक मिनट मुझे बोलने दें।

अध्यक्ष महोदय : अगर मैं आपको एक मिनट दूंगा, तो उनको देना होगा।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, अयोध्या में बुद्धिजीवी एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों में काम करनेवालों का उत्पीड़न किया जा रहा है। आप उनको जेलों से रिहा कराएं और अयोध्या में शांति और सद्भाव स्थापित करने हेतु मार्च की अनुमति प्रदान की जाए । ये देश के जाने-माने प्रोफेसर और बुद्धिजीवी हैं। उनका किसी दल से कोई वास्ता नहीं है तथा उनका कोई राजनैतिक लाभ उठाने का लक्ष्य नहीं है । वे केवल शांति एवं साम्प्रदायिक सदभाव कायम करना चाहते हैं। उनको गोरखपुर, आजमगढ़ और जाने कहां-कहां की जेलों में बन्द कर दिया है और उन पर अत्याचार तथा उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि उ.प्र.सरकार को स्पट निर्देश दें कि उनको रिहा किया जाए और उनको वहां शांति और सद्भाव कायम करने की इजाजत दी जाये ।

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, ये लोग कार्यक्रम कर रहे हैं, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन कार्यक्रम के नाम पर सद्भावना बिगाड़ने का काम हुआ हैâ€¦ (व्यवधान) यह ठीक नहीं है। हमने इनकी बात सुनी और जब हम बोलने के लिए खड़े हुए हैं तो ये लोग खड़े होकर शोर कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष जी, अयोध्या के अंदर लगातार इनकी पार्टी अशांति कैसे पैदा हो, उसके लिए प्रयास कर रही है।â€¦ (व्यवधान)

SHRI AJOY CHAKRABORTY (BASIRHAT): Sir, I think you have not called him...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have already permitted him.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप सब लोग बैठ जाएं। जब मैंने माननीय मुलायम सिंह को एक मिनट के लिए बोलने की इजाजत दी थी, जिस अधिकार से मैंने उनको अनुमति दी थी, उसी अधिकार से इनको भी मैंने एक मिनट बोलने की अनुमति दी है। आप जानते हैं कि इनके बाद श्री खुराना बोलेंगे।

श्री विनय कटियार : ये लोग दूसरों को भी बोलने का मौका दें। ये लोग हर रोज हर विाय पर बोलते हैं। कहीं आपके साथ भी ऐसा व्यवहार न हो।

अध्यक्ष महोदय : कटियार जी, आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री विनय कटियार : कार्यक्रम करें, उसमें कोई आपत्ति नहीं है। जिला प्रशासन ने इसीलिए अनुमति दी थी कि शांतिपूर्वक कार्यक्रम करेंगे। जब इन्होंने सीता माता

को राम की बहन बनाने का काम किया, तो उससे वहां अशांति पैदा हो गई।â€¦ (व्यवधान) वहां इन्होंने एक प्रदर्शनी लगाई। जिला प्रशासन ने कहा कि यह विवादास्पद प्रदर्शनी हटा दें। इसलिए जिला प्रशासन ने रोक लगाई।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप खत्म करें। अब खुराना जी बोलेंगे।

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि आप सरकार को आदेशित करिए कि वहां जो कुछ गतिविधियां हो रही हैं, उस पर वहां सख्ती के साथ कठोर कार्रवाई करे।â€¦ (व्यवधान)